एसकेआरएयूः अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता हेतु टीम को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की वॉलीबॉल टीम को बुधवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन हेतु प्रेरित हुए कहा कि अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कृषि विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ एन.एस.दहिया, टीम मैनेजर डॉ बी.एस.मिठारवाल समेत छात्र कल्याण निदेशालय स्टाफ श्री किशन सिंह, श्री मुकेश कुमार, श्री गुरमेल सिंह इत्यादि उपस्थित रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 18 दिसंबर तक महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी में हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए एसकेआरएयू की 12 सदस्यीय वॉलीबॉल टीम को बुधवार को रवाना किया गया। टीम में कृषि महाविद्यालय बीकानेर,श्रीगंगानगर, मंडावा, चांदगोठी के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यशाला में दिया जायेगा वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन प्रशिक्षण

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी और विशिष्ट अतिथि वित्त नियंत्रकराजेन्द्र कुमार खत्री थे। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने भेड़ और बकरी पालकों को केंद्र व राज्य सरकार की पशुधन से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रगतिशील किसानों को मार्केटिंग की जानकारी भी दी जाए ताकि ये अपने उत्पाद बाजार में आसानी से बेच सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद यह फीडबैक भी लिया जाए कि कितने किसानों ने भेड़ व बकरी पालन शुरू किया। साथ ही इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले किसानों को भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए। निदेशक प्रसार डॉ. पी. एस. शेखावत ने किसानों को बताया कि भेड़ बकरी पालक किसान भी उत्पादक संगठन बनाकर सामूहिक कार्य कर बड़े बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचा सकते हैं। साथ ही कहा कि किसान भाई कृषि के साथ साथ इस व्यवसाय से अच्छा मुनाफा प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित करवाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के छह राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से 55 भेड़ एवं बकरी पालक प्रगतिशील किसान हिस्सा ले रहे हैं।

वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

छह राज्यों के 55 प्रगतिशील किसान ले रहे हैं हिस्सा

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर(सुरेश जैन) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी और विशिष्ट अतिथि वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री रहे। मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने भेड़ और बकरी पालकों को केंद्र व राज्य सरकार की पशुधन से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रगतिशील किसानों को मार्केटिंग की जानकारी भी दी जाए ताकि ये अपने उत्पाद बाजार में आसानी से बेच सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद यह फीडबैक भी लिया जाए कि कितने किसानों ने भेड़ व बकरी पालन शुरू किया। साथ ही इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले किसानों को भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए। निदेशक प्रसार डॉ. पी. एस. शेखावत ने किसानों को बताया कि भेड़ बकरी पालक किसान भी उत्पादक संगठन बनाकर सामूहिक कार्य कर बड़े बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचा सकते हैं। साथ ही कहा कि किसान भाई कृषि के साथ साथ इस व्यवसाय से अच्छा मुनाफा प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं कार्यक्रम के आयोजक व पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष और छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित करवाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के छः राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से 55 भेड़ एवं बकरी पालक प्रगतिशील किसान हिस्सा ले रहे हैं। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी. के. यादव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में प्रशिक्षण सह संयोजक डॉ. शंकर लाल, कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दुर्गा सिंह, डॉ. कुलदीप सिंघे एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थिति रहे द्य मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

पंजाब केसरी
THU,12 DECEMBER 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए। (प्रेम)

बीकानेर, 11 दिसम्बर (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव डा. देवा राम सैनी और विशिष्ट अतिथि वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री थे।

मुख्य अतिथि कुलसचिव डा. देवा राम सैनी ने भेड़ और बकरी पालकों को केंद्र व राज्य सरकार की पशुधन से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया, साथ ही कहा कि प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रगतिशील किसानों को मार्केटिंग की जानकारी भी दी जाए, ताकि ये अपने उत्पाद बाजार में आसानी से बेच सके।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद यह फीडबैक भी लिया जाए कि कितने किसानों ने भेड़ व बकरी पालन शुरू किया, साथ ही इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले किसानों को भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए।

निदेशक प्रसार डा. पी. एस. शेखावत ने किसानों को बताया कि भेड़, बकरी पालक किसान भी उत्पादक संगठन बनाकर सामूहिक कार्य कर बड़े बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचा सकते हैं।

साथ ही कहा कि किसान भाई कृषि के साथ साथ इस व्यवसाय से अच्छा मुनाफा प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं ।

कार्यक्रम के आयोजक व पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष और छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित करवाया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के छह राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से 55 भेड़ एवं बकरी पालक प्रगतिशील किसान हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यक्रम में प्रशिक्षण सह संयोजक डॉ. शंकर लाल, कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दुर्गा सिंह, डॉ. कुलदीप सिंघ एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थिति रहे।

वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। मानव संसाधन निदेशालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी और विशिष्ट अतिथि वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री थे।

मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने भेड़ और बकरी पालकों को केंद्र व राज्य सरकार की पशुधन से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रगतिशील किसानों को मार्केटिंग की जानकारी भी दी जाए ताकि ये अपने उत्पाद बाजार में आसानी से बेच सके।

निदेशक प्रसार डॉ. पी. एस. शेखावत ने किसानों को बताया कि भेड़ बकरी पालक किसान भी उत्पादक संगठन बनाकर सामूहिक कार्य कर बड़े बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचा सकते हैं।

कार्यक्रम के आयोजक व पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष और छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित करवाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के छः राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से 55 भेड़ एवं बकरी पालक प्रगतिशील किसान हिस्सा ले रहे हैं। कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी. के. यादव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।कार्यक्रम में प्रशिक्षण सह संयोजक डॉ. शंकर लाल, कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दुर्गा सिंह, डॉ. कुलदीप सिंघे एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थिति रहे द्य मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन का सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बीकानेर, 11 दिसम्बर

राजस्थान में बीकानेर के स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन के लिये सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार से शुरू हुआ।

मुख्य अतिथि कुल सचिव डॉ देवा राम सैनी ने भेड़ और बकरी पालकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की पशुधन से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिये प्रेरित करते हुये कहा कि प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रगतिशील किसानों को विपणन की जानकारी भी दी जाये, ताकि ये अपने उत्पाद बाजार में आसानी से बेच सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद यह जानकारी भी ली जाये कि कितने किसानों ने भेड़ एवं बकरी पालन शुरू किया। साथ ही इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले किसानों को भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाये।

वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

» छह राज्यों के 55 प्रगतिशील किसान ले रहे हैं हिस्सा

इबादत न्यूज

बीकानेर, 11 दिसम्बर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वैज्ञानिक तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन हेतु सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। मानव संसाधन विकास निदेशालय सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी और विशिष्ट अतिथि वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री थे।

मुख्य अतिथि कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने भेड़ और बकरी पालकों को केंद्र व राज्य सरकार की पशुधन से संबंधित सभी योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे प्रगतिशील किसानों को मार्केटिंग की जानकारी भी दी जाए ताकि ये अपने उत्पाद बाजार में आसानी से बेच सके। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के बाद यह फीडबैक भी लिया जाए कि कितने

किसानों ने भेड़ व बकरी पालन शुरू किया। साथ ही इस क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले किसानों को भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाए।

निदेशक प्रसार डॉ. पी. एस. शेखावत ने किसानों को बताया कि भेड़ बकरी पालक किसान भी उत्पादक संगठन बनाकर सामूहिक कार्य कर बड़े बाजार तक अपने उत्पाद को पहुंचा सकते हैं। साथ ही कहा कि किसान भाई कृषि के साथ साथ इस व्यवसाय से अच्छा मुनाफा प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।

कार्यक्रम के आयोजक व पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष और छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि यह प्रशिक्षण कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित करवाया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के छह राज्यों राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली से 55 भेड़ एवं बकरी पालक प्रगतिशील किसान हिस्सा ले रहे हैं।

कृषि महाविद्यालय, बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी. के. यादव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षण सह संयोजक डॉ. शंकर लाल, कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दुर्गा सिंह, डॉ. कुलदीप सिंघे एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थिति रहे। मंच संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 12-12-2024

एसकेआरएयू की वॉलीबॉल टीम अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता के लिए रवाना

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) की 12 सदस्यीय वॉलीबॉल टीम को बुधवार को कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतियोगिता 14 से 18 दिसंबर तक महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित की जा रही है।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए प्रेरित किया कि वे अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होती हैं, बल्कि विश्वविद्यालय की गरिमा भी बढ़ाती हैं। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एन.एस. दहिया, टीम मैनेजर डॉ. बी.एस. मिठारवाल तथा निदेशालय के स्टाफ सदस्य किशन सिंह, मुकेश कुमार और गुरमेल सिंह भी इस मौके पर उपस्थित रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एन.एस. दहिया ने बताया कि टीम में कृषि महाविद्यालय बीकानेर, श्रीगंगानगर, मंडावा, चांदगोठी के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खिलाड़ी शामिल हैं। डॉ. दहिया ने बताया कि टीम न केवल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी, बल्कि खेल भावना के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन कर प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने का प्रयास करेगी। टीम को रवाना करते समय खिलाड़ियों का जोश देखने लायक था। सभी ने इस प्रतियोगिता में अपने प्रदर्शन को लेकर उत्साह और आत्मविश्वास व्यक्त किया।

पंजाब केसरी
THU,12 DECEMBER 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

एस.के.आर.ए.यू. की टीम वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए रवाना

बीकानेर, 11 दिसम्बर (प्रेम) : अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की वॉलीबाल टीम को बुधवार को कुलपति डा. अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर कुलपति ने सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन हेतु प्रेरित हुए कहा कि अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कृषि विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

छात्र कल्याण निदेशक डा. निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 18 दिसम्बर तक महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी में हो रहा है।

बीकानेर से एस.के.आर.यू. टीम को रवानगी देते हुए कुलपति।

एसकेआरएयूः अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता हेतु टीम को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने हेतु स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की वॉलीबॉल टीम को बुधवार को कुलपति डॉ अरुण कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कुलपति ने सभी खिलाड़ियों को बेहतरीन प्रदर्शन हेतु प्रेरित हुए कहा कि अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर कृषि विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, छात्र कल्याण निदेशक डॉ एन.एस.दहिया, टीम मैनेजर डॉ बी.एस.मिठारवाल समेत छात्र कल्याण निदेशालय स्टाफ किशन सिंह, मुकेश कुमार, गुरमेल सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि अंतर विश्वविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 18 दिसंबर तक महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा यूनिवर्सिटी में हो रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए एसकेआरएयू की 12 सदस्यीय वॉलीबॉल टीम को बुधवार को रवाना किया गया। टीम में कृषि महाविद्यालय बीकानेर, श्रीगंगानगर, मंडावा, चांदगोठी के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।